

हंस पंचम पुं. (तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

हंस पद पुं. (तत्.) 1. हंस का पैर 2. लेखन या मुद्रण के छूटे हुए शब्द या वाक्यांश चिह्नित करने वाला एक चिह्न।

हंसपदी/हंसपादी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की लता, बेल।

हंस मंगला स्त्री. (तत्.) संगीत में एक संकर रागिनी।

हंस मंजरी स्त्री. (तत्.) संगीत के क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की रागिनी।

हंसमाला स्त्री. (तत्.) 1. हंसों की पंक्ति 2. एक प्रकार का वर्णवृत्त, समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः मगण, जगण और गुरु (म ज ग) के योग से 7 वर्ण होते हैं।

हंस-रथ पुं. (तत्.) जिनका रथ या वाहन हंस हो, ब्रह्मा।

हंसरव पुं. (तत्.) 1. हंसों का कलरव 2. हंसों के बोलने की ध्वनि।

हंसराज पुं. (तत्.) 1. हंसों का राजा, श्रेष्ठ हंस, बड़ा हंस, राजहंस 2. एक विशेष प्रकार का धान, अगहनी धान 3. एक विशेष प्रकार की जड़ी-बूटी जो पर्वतों, चट्टानों में मिलती है।

हंसयान वि. (तत्.) 1. हंस की सवारी, हंस का वाहन 2. हंस की सवारी करने वाला पुं. ब्रह्मा।

हंस लिपि स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन भारतीय लिपि का एक प्रकार।

हंस वंश पुं. (तत्.) सूर्यवंश जैसे- हंसवंश में रघु, राम आदि समाहत राजा हुए।

हंसवती स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार की लता 2. एक प्रकार की रागिनी।

हंस वाहन पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. जिसका वाहन हंस है।

हंस वाहिनी स्त्री. (तत्.) 1. सरस्वती 2. जिनकी सवारी हंस है।

हंस श्री स्त्री. (तत्.) संगीत में खम्माच ठाठ की एक प्रकार की रागिनी।

हंसश्रेणी स्त्री. (तत्.) हंसमाला, हंसों की पंक्ति।

हंससुता स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य-पुत्री, यमुना।

हंसाधिरूढ़/हंसारूढ़ वि. (तत्.) 1. हंस पर आरूढ़ या विराजमान 2. हंस वाहन पुं. ब्रह्मा।

हंसाधिरूढ़ा स्त्री. (तत्.) सरस्वती का एक नाम।

हंसानदी स्त्री. (तत्.) संगीत के क्षेत्र में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

हंसारूढ़ पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा, जो हंस पर बैठे या विराजमान हों।

हंसारूढ़ा स्त्री. (तत्.) सरस्वती।

हंसाल पुं. (तत्.) झूलना नामक एक मात्रिक छंद का एक भेद, रामदंडक छंद स्त्री. हंसों की पंक्ति।

हंसालि स्त्री. (तत्.) 1. हंसों की पंक्ति 2. एक मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 37 मात्राएँ होती हैं तथा 20-17 पर यति होती है और अंत में यगण।

हंसावधूत पुं. (तत्.) 1. अवधूतों के चार प्रकारों में से एक 2. निर्लिप्त।

हंसावर पुं. (तत्.) हंस की जाति का लम्बी गर्दन तथा लम्बी टाँगों वाला एक पक्षी, बल्लख।

हंसावलि/हंसावली स्त्री. (तत्.) हंसों की पंक्ति, हंस श्रेणी; हंसमाला।

हंसिका स्त्री. (तत्.) हंस की मादा, हंसी, मादा हंस, हंसिनी।

हंसिनी स्त्री. (तत्.) मादा हंस, हंसी।

हंसी स्त्री. (तत्.) 1. मादा हंस, हंसिनी 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 2. मगण, तगण, 3 नगण, सगण और गुरु (म म त न न न स ग) के योग से 22 वर्ण होते हैं और 8-14 पर यति होती है